हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 66 | जौनपुर, शुक्रवार 01 दिसम्बर 2023 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य : 2 रूपया

कुछ लोग विकास के एजेंडे को पीछे धकेलना चाहते हैं : योगी

एजेन्सी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसी खास राजनीतिक दल का नाम लिये बगैर कहा कि कुछ लोग परिवारवाद, जातिवाद, मत और मजहब के आधार पर समाज को बांटने का कुत्सित प्रयास कर विकास के एजेंडे को पीछे धकेलना चाहते हैं। श्री योगी ने भारत संकल्प यात्रा को संबोधित करते हुये गुरुवार को कहा कि कुछ लोग देश का विकास नहीं चाहते हैं। वह परिवारवाद, जातिवाद, मत और मजहब के आधार पर समाज को बांटने का कुत्सित प्रयास कर विकास के एजेंडे को पीछे धकेलना चाहते हैं। इससे हम सभी को बाहर आना होगा तभी गरीब के चेहरे पर उसके सपनों की खुशहाली लाई जा सकेगी। उन्होने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साढ़े नौ वर्षों में अपने महत्वपूर्ण निर्णयों, दूरदर्शी सोच एवं योजनाओं से देश भर में जो माहौल बनाया है, वह किसी भारतीय से छिपा नहीं है। इस संकल्प में केंद्र और राज्य सरकार की योजनाएं काफी सहायक बनी हैं, जिसका भव्य रूप आज हम सभी को देखने को मिल रहा है। विकसित भारत संकल्प यात्रा प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आने वाले कुछ वर्षों में विकसित भारत की संकल्पना को स्थापित करेगी। इसमें हम सब का भी योगदान जरूरी है। इसी उद्देश्य से 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस पर विकसित भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश 1947 में आजाद हुआ था। उसके बाद कई सरकारें बनीं। इन्होंने काम भी किया होगा और देश का पैसा भी खर्च किया होगा, लेकिन दुनिया में वर्ष 2014 से पहले भारत की छवि एवं यहां के लोगों के बारे में क्या धारणा थी, लेकिन दुनिया में आज क्या छवि है, यह हम सब देख रहे हैं। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को दर्शाता है। वर्ष 2014 से पहले देश में चेहरा देखकर योजनाएं बनाई जाती थीं। उसमें भी जमकर बंदरबांट का खेल होता था। उनके एजेंडे में गरीब, सामान्य नागरिक, महिलाएं और नौजवान शामिल नहीं होते थे। आज देश में गरीबों और जरूरतमंदों को प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, गरीबों के घर में निशुल्क शौचालय, जनधन अकाउंट योजना, आयुष्मान भारत योजना, पीएम सम्मान निधि और पीएम स्वनिधि जैसी तमाम लोककल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। उन्होने कहा कि यह योजनाएं पहले क्यों नहीं चलायी गई, जबकि देश भी वही है और सरकार के आय के स्त्रोत भी वही हैं। सरकार आपके बारे में सोच रही है तो आपकी भी जिम्मेदारी बनती है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंच प्रण के संकल्प को पूरा करने में अपना भरपूर सहयोग दें। केंद्र और राज्य सरकार हर नागरिक को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं चला रही है। इसी के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में पोषण मिशन से जुड़ी सभी योजनाओं की जिम्मेदारी स्वयं सहायता समूह को सौंपी गई, जिसका लाभ 60 हजार महिलाएं सीधे–सीधे रोजगार के जरिये उठा रही हैं। वहीं बैंकिंग सुविधा का लाभ ग्रामीणों को देने के लिए बीसी सखी बखूबी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन कर रही हैं। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा, महापौर सुषमा खर्कवाल, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, विधायक योगेश शुक्ला, डॉ. नीरज बोरा आदि उपस्थित रहे।

समृद्धि के लिए देश की सीमाओं के साथ आंतरिक सुरक्षा जरूरी : मुर्मू

एजेन्सी

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज कहा कि शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए देश की सीमाओं और उसकी आंतरिक सुरक्षा बहुत आवश्यक है। श्रीमती मुर्मु ने पुणे के खड़कवासला में गुरूवार को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) के 145वें कोर्स की दीक्षांत परेड का निरीक्षण किया। उन्होंने सेना की 5वीं बटालियन के भवन की आधारशिला भी रखी।

राष्ट्रपति ने इस मौके पर कहा , ” शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए देश की सीमाओं और उसकी आंतरिक सुरक्षा बहुत आवश्यक है। हम वसुधैव कुटुंबकम की परंपरा का पालन करते हैं, लेकिन हमारी सेनाएं उन बाहरी या आंतरिक ताकतों का सामना करने में पूरी तरह से सक्षम और तैयार हैं जो देश की एकता और अखंडता की भावना को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करती हैं।राष्ट्रपति ने कहा कि एनडीए नेतृत्व का एक ऐसा उद्गम स्थल है जिसने महान योद्धाओं को जन्म दिया है। यह अकादमी देश के सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण संस्थानों में भी विशिष्ट स्थान रखती है और इसकी सशस्त्र बलों के लिए देश के एक मजबूत स्तंभ के रूप में मान्यता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि एनडीए से प्राप्त प्रशिक्षण और जीवन मूल्य कैडेटों को अपने जीवन में आगे बढ़ने में हमेशा सहायता प्रदान करते हैं। उन्होंने कैडेटों को भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए नई प्रौद्योगिकियों को सीखकर और उन्हें अपनाकर आगे बढ़ने की सलाह दी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वे सशस्त्र सेवाओं के मूल्यों को आगे बढ़ाते हुए पूरे साहस और बहादुरी के साथ हर चुनौती का सामना करेंगे। राष्ट्रपति एनडीए की पासिंग आउट परेड के मार्चिंग दस्ते में महिला कैडेटों की पहली बार भागीदारी देखकर बहुत प्रसन्न हुई। उन्होंने कहा कि आज का यह दिन सच्चे अर्थों में ऐतिहासिक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी महिला कैडेट भविष्य में देश और एनडीए को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगी।

जारांगे-पाटिल ने जातिगत अशांति फैलाने के लिए भुजबल को पनौती कहा

एजेन्सी

जालना। ताजा हमले में, शिवबा संगठन के नेता मनोज जारांगे–पाटिल ने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल को पनौती (अपशकुन) करार दिया और उन पर राज्य में जातिवादी अशांति फैलाने का आरोप लगाया। जारांगे–पाटिल लगभग चार महीनों से मराठा आरक्षण के लिए अभियान चला रहे हैं, जबकि भुजबल ने ओबीसी श्रेणी से मराठा आरक्षण को अलग करने की उनकी मांग का पुरजोर विरोध किया है। दोनों समूहों के सीधे टकराव की स्थिति में भुजबल गुरुवार को नासिक में बारिश से प्रभावित कुछ इलाकों के सर्वेक्षण पर गए, जहां उन्हें किसानों के कड़े विरोध का सामना करना पड़ा। इसका जवाब देते हुए जारांगे–पाटिल ने कहा कि भुजबल दुर्भाग्यशाली हैं और उनकी वजह से राज्य के किसान साढ़ेसाती (एक ज्योतिषीय शब्द जो साढ़े सात साल के लिए दुर्भाग्य का संकेत देता है) से पीड़ित होंगे। जारांगे पाटिलने आरोप लगाया, भुजबल एक श्पनौती हैं और खेती करने वालों के लिए अपशकुन लाएंगे... वह कानून तोड़ते हैं, महान आदर्शों की जातियों का उल्लेख करते हैं, वह आरक्षण के विरोधी हैं और संवैधानिक पद पर रहते हुए जातिगत अशांति फैला रहे हैं। उन्होंने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार) से अलग हुए समूह को सलाह दी कि वह प्रभावित कृषकों के सर्वेक्षण दौरे को आगे न बढ़ाएं और कहा, ष्सरकारी प्रशासन को प्रभावित किसानों के लिए आवश्यक कार्य करने दें। जारांगे–पाटिल ने कहा,”क्या वह (भुजबल) वहां जाते हैं और पंचनामा तैयार करते हैं? फिर वह खेतों को रौंदने के लिए वहां क्यों जा रहा है... किसानों को तब बेहतर लगता है जब वह उन्हें अकेला छोड़ देते हैं। नासिक के येओला तालुका के कई गांवों के अपने मौजूदा दौरे में, भुजबल को गुरुवार को स्थानीय मराठा युवाओं और बुजुर्गों के जोरदार विरोध और प्रदर्शन का सामना करना पड़ा, जिन्होंने उनके वाहन को रोकने का प्रयास किया, उनके खिलाफ नारे लगाए, उन्हें वापस जाने के लिए कहा, और उन्होंने कहा कि उन्हें उन्हें उनके भाग्य पर छोड़ देना चाहिए।

मध्य प्रदेश में 3 दिसंबर को ड्राई डे की घोषणा

एजेन्सी

भोपाल। मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव की मतगणना 3 दिसंबर को होने जा रही है। इस दिन शराब, भांग आदि की दुकानें बंद रहेंगी। कुल मिलाकर 24 घंटे ड्राई डे रहेगा।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी भोपाल आशीष सिंह ने मतगणना दिवस 3 दिसंबर के संपूर्ण दिवस यानि 24 घंटे के लिए ड्राई डे घोषित किया है। भोपाल जिले की सभी सातों विधानसभा क्षेत्रों की 87 शराब दुकानों पर मदिरा के क्रय–विक्रय और भंडारण आदि पर प्रतिबंध लगाया गया है। इस दौरान जिले की परिसीमा में स्थित एवं संचालित सभी शराब दुकानों, रेस्टोरेंट बार, होटल बार, सिविलियन क्लब, सैनिक थोक कैंटीन, फुटकर कैंटीन, वाइन विक्रय के लिए स्वीकृत रिटेल आउटलेट एवं अन्य लाइसेंस केंद्र बंद रहेंगे। इसी तरह जिंसी चौराहा स्थित देशी शराब भंडारागार और गांधीनगर स्थित विदेशी शराब भंडारागार से शराब के आयात, निर्यात, परिवहन, क्रय, विक्रय एवं प्रदाय पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा।

जातिगत जनगणना पर पीएम मोदी ने दी प्रतिक्रिया

एजेन्सी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में जाति जनगणना की मांग कर रहे कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दलों पर पलटवार करते हुए कहा है कि उनके लिए सबसे बड़ी जाति गरीब, युवा, महिलाएं और किसान हैं और इन चार जातियों का उत्थान ही भारत को विकसित बनाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा के विभिन्न राज्यों के लाभार्थियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बातचीत के दौरान उन्हें संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा, विकसित भारत का संकल्प– 4 अमृत स्तंभों पर टिका है। ये अमृत स्तंभ हैं – हमारी नारी शक्ति, हमारी युवा शक्ति, हमारे किसान और हमारे गरीब परिवार। मेरे लिए सबसे बड़ी जाति है– गरीब। मेरे लिए सबसे बड़ी जाति है– युवा। मेरे लिए सबसे बड़ी जाति है– महिलाएं। मेरे लिए सबसे बड़ी जाति है– किसान। इन चार जातियों का उत्थान ही भारत को विकसित बनाएगा। जब तक इन चारों जातियों को मैं सभी समस्याओं से, सभी मुश्किलों से उबार नहीं देता हूं तब तक मैं चौन से बैठने वाला नहीं हूं। बस आप मुझे आशीर्वाद दीजिए। जब ये चारों जाति सशक्त होगी तो निश्चित तौर पर देश की सभी जातियां सशक्त होगी।ष

प्रधानमंत्री ने पिछली सरकारों के रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा कि देश के लोगों ने वह दौर भी देखा है, जब पहले की सरकारें खुद को जनता का माई बाप समझती थी। इस कारण आजादी के अनेक दशकों बाद तक देश की बहुत बड़ी आबादी मूल सुविधाओं से वंचित रही। लोग सरकार से पूरी तरह हताश और निराश हो गए थे। उस समय सरकारें भी सिर्फ चुनाव और वोट बैंक पर ही ध्यान रखती थी। निराशा की स्थिति को उनकी सरकार ने बदला है। आज देश में जो सरकार है, वह जनता–जनार्दन को ईश्वर का रूप मानने वाली सरकार है। वह सत्ता भाव से नहीं, सेवा भाव से काम करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि वे जो ये संकल्प यात्रा लेकर निकले हैं, इसके पीछे उनका मकसद यही है कि जिनको सरकार की योजनाओं का लाभ मिला है, उनके अनुभव जानना और जिनको नहीं मिला उन्हें 5 साल में उन योजनाओं का लाभ देना है। इसलिए देश के हर गांव में श्मोदी के विकास की गारंटीश की गाड़ी पहुंचने वाली है। विकसित भारत संकल्प यात्रा का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, षविकसित भारत संकल्प यात्रा के 15 दिन पूरे हो रहे हैं। हमने इस गाड़ी का नाम रखा था विकास रथ, लेकिन इन 15 दिनों में लोगों ने इसका नाम बदल कर मोदी की गारंटी वाली गाड़ीश रख दिया है। उन्हें ये जानकर अच्छा लगा कि आपको मोदी पर इतना विश्वास है और वह विश्वास दिलाते हैं कि लोगों को दी हुई सभी गारंटियों को वह पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि जिस तरह से लोग विकसित भारत रथों का स्वागत कर रहे हैं, रथ के साथ चल रहे हैं। जिस तरह युवा और समाज के हर वर्ग के लोग विकसित भारत यात्रा से जुड़ रहे हैं। अब तक 12 हजार से ज्यादा पंचायतों तक मोदी की गारंटी वाली यह गाड़ी पहुंच चुकी है और 30 लाख के लगभग लोग इसका फायदा उठा चुके हैं। सभी लोग अपने गांव की कहानी सोशल मीडिया पर अपलोड कर रहे हैं। उन्होंने लोगों से इन कहानियों को नमो एप पर जरूर अपलोड करने का भी आग्रह किया क्योंकि वह नमो एप पर इन गतिविधियों को प्रतिदिन देखते हैं। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी का मतलब काम पूरा होने की गारंटी की गारंटी है। उन्होंने कहा कि देश की 140 करोड़ जनता भारत को विकसित भारत बनाने का संकल्प ले चुकी है और विकसित भारत का संकल्प सिर्फ मोदी या किसी सरकार का नहीं है बल्कि यह सबको साथ लेकर सबके सपनों को साकार करने का संकल्प है। प्रधानमंत्री महिला किसान ड्रोन केंद्र का शुभारंभ करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जब ड्रोन चलाने के लिए प्रशिक्षण देने की शुरुआत की गई तो इस योजना को लेकर बहुत से लोगों ने संदेह जताए थे। रमन अम्मा जैसी महिलाओं ने साबित कर दिया कि ड्रोन कृषि में तकनीक के दायरे से आगे बढ़कर महिला सशक्तिकरण का भी एक प्रतीक बनकर उभरेगा।

केंद्र की सत्ता में आने पर पूरे देश में लागू करेंगे स्वास्थ्य बीमा योजना, वायनाड में बोले राहुल गांधी

एजेन्सी

वायनाड। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने राजस्थान सरकार द्वारा गरीबों के लिए शुरू किए गए स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम की तारीफ करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि यदि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद उनकी पार्टी केंद्र की सत्ता में आई तो पूरे देश में ऐसी योजना लागू की जाएगी। गांधी ने अपने संसदीय क्षेत्र वायनाड के सुल्तान बथेरी में स्थित एक निजी अस्पताल के नये खंड के उद्घाटन के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने इस मौके पर राष्ट्रीय स्तर पर स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र के पुनरू मूल्यांकन की जरूरत रेखांकित की। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि केंद्र सरकार को, गरीबों को बुनियादी गारंटी के तौर पर किफायती स्वास्थ्य सुविधाएं देने को प्राथमिकता देनी चाहिए। राहुल गांधी ने कहा, ‘‘मुझे लगता है कि हमें स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र के बारे में सोचने के अपने तरीके पर राष्ट्रीय स्तर पर पुनर्विचार करना होगा और मेरा मानना है कि देश की सरकार को जिस एक गारंटी के बारे में सोचना चाहिए, वह वास्तव में कम मूल्य पर, विशेष रूप से गरीबों को स्वास्थ्य सुविधाएं देने के बारे में हो। कांग्रेस ने राजस्थान में अपनी चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना की तारीफ करते हुए इसे पूरे देश के लिए ‘मॉडल बताया है।पार्टी का कहना है कि इसके तहत मेडिकल कवरेज 50 लाख रुपये तक बढ़ाने से गरीबों और मध्यम वर्ग दोनों को लाभ मिलेगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, चिकित्सा त्रासदियों के सबसे बड़े शिकार गरीब लोग हैं। क्योंकि अगर आपके पास पैसा है, तो आप हमेशा एक अच्छे अस्पताल में इलाज करवा सकते हैं। यदि आप गरीब हैं और आपको कोई बीमारी हो जाती है... तो आपका जीवन समाप्त हो जाता है।

बारिश ने बढ़ाई महंगाई, बढ़े आलू और चावल के दाम

एजेन्सी

नयी दिल्ली। सर्दी के मौसम में मैदानी इलाकों में रुक–रुक हो रही हल्की–फुल्की बारिश चावल और आलू के लिए भारी तबाही का काम कर रही है। इसकी वजह से चावल और आलू की खेती में बाधा हो रही है और ये दोनों ही भारतीय किचन का अभिन्न अंग हैं, जिसकी वजह से इनकी कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। बीते कुछ महीनों में इनके दाम काफी बढ़ चुके हैं। बारिश से पैदा हो रही बाधा के चलते आलू और चावल की कीमतों में 12: तक का इजाफा देखा गया है। सरकार ने चावल की कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए देश से गैर–बासमती चावल के निर्यात पर 20 जुलाई से प्रतिबंध लगाया हुआ है लेकिन बारिश की वजह से चावल के दाम दक्षिण भारत में विशेष तौर पर 15: तक बढ़ चुके हैं।कर्नाटक में रुक–रुक हो रही बारिश ने जहां खरीफ की फसल में चावल की पैदावार को कम किया है। इसकी वजह से दक्षिण भारत में चावल की डिमांड और बढ़ गई है जबकि अक्टूबर और नवंबर में हुई बारिश की वजह से आलू की फसल बाजार में नहीं आ पाई है। इसकी वजह से पुराने आलू के स्टॉक की कीमतें बढ़ रही है। आम तौर पर दिवाली के आसपास बाजार में नया आलू दस्तक दे देता है। बारिश की वजह से दक्षिण भारत में चावल की सप्लाई में कमी आई है, जिसकी वजह से उन्होंने उत्तर भारत से चावल खरीदना शुरू कर दिया है। दक्षिण भारतीय राज्य उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल से चावल की खरीद कर रहे हैं। इसकी वजह से पूरे देश में चावल की कीमतें बढ़ रही हैं। बासमती चावल भी महंगा हो रहा है। पश्चिमी एशियाई यानी खाड़ी देशों में इसकर मांग बढ़ने से देश से इसका एक्सपोर्ट बढ़ा है, जिसकी वजह से बासमती चावलों की कीमत में 10 प्रतिशत की तेजी देखी गई है।

चीन के बाद दूसरे देशों में भी फैली निमोनिया महामारी

एजेन्सी

नयी दिल्ली। चीन के बाद डेनमार्क और नीदरलैंड बच्चों में निमोनिया के प्रकोप की रिपोर्ट करने वाले नए देशों में शामिल हो गए हैं। एक संक्रामक रोग समाचार ब्लॉग, एवियन फ्लू डायरी पर एक पोस्ट से पता चला है कि माइकोप्लाज्मा निमोनिया संक्रमण महामारी स्तर तक पहुंच गया है। इसमें वृद्धि गर्मियों में शुरू हुई लेकिन पिछले पांच सप्ताह में काफी बढ़ गई है। डेनमार्क के स्टेटेंस सीरम इंस्टीट्यूट के अनुसार, यह संख्या अब इतनी अधिक है कि यह एक महामारी है। स्टेटेंस सीरम इंस्टीट्यूट की वरिष्ठ शोधकर्ता हेने–डोर्थे एम्बॉर्ग ने कहा, पिछले पांच सप्ताह में नए मामलों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है, और अब हम सामान्य से काफी अधिक मामले देख रहे हैं, और पूरे देश में व्यापक संक्रमण है। सप्ताह 47 में, माइकोप्लाज्मा निमोनिया संक्रमण के 541 नए मामले सामने आए, जो कि सप्ताह 42 से तीन गुना से अधिक है, जब पाए गए मामलों की संख्या 168 थी।

मामलों की वास्तविक संख्या संभवतः बहुत अधिक है, क्योंकि हल्के लक्षणों वाले हर व्यक्ति का परीक्षण नहीं किया जाता है। हालाँकि, एम्बॉर्ग ने कहा कि ये मामले डेनमार्क के लिए ष्असामान्य नहींष हैं, जो ऐतिहासिक रूप से लगभग हर चार साल में माइकोप्लाज्मा निमोनिया संक्रमण की राष्ट्रव्यापी महामारी का सामना करता है। उन्होंने कहा कि यह घटना आम तौर पर शरद ऋतु और शुरुआती सर्दियों में सबसे अधिक होती है। एम्बॉर्ग ने कहा, षपिछले चार वर्षों से, माइकोप्लाज्मा संक्रमणों की संख्या बेहद कम रही है, और इसलिए यह असामान्य नहीं है कि हमारे समक्ष अब एक महामारी है। कोविड–19 महामारी के बाद देश में लॉकडाउन लगाने के बाद हम वास्तव में इसका इंतजार कर रहे थे। यह रोग अक्सर हल्के फ्लू जैसे लक्षणों के साथ थकान, सिरदर्द, गले में खराश और लंबे समय तक सूखी खांसी, विशेष रूप से रात में होने वाली खांसी के रूप में आता है।

विशाल बहुमत को बुखार है, लेकिन अक्सर इन्फ्लूएंजा और अन्य क्लासिक निमोनिया जितना तेज बुखार नहीं होता है। पोस्ट में कहा गया है कि इसने इसे कोल्ड निमोनिया या एटिपिकल निमोनिया उपनाम दिया है, क्योंकि नियमित पेनिसिलिन का भी संक्रमण पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। संक्रामक रोग समाचार संदेश बोर्ड फ्लूट्रैकर्स पर एक सरकारी निगरानी रिपोर्ट के अनुसार, पिछले सप्ताह नीदरलैंड ने अगस्त के बाद से बच्चों और युवाओं में निमोनिया के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की।

सम्पादकीय

इन चुनावों से खुलेंगी नयी राहें

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की श्रृंखला की अंतिम कड़ी के रूप में दक्षिणी राज्य तेलंगाना में गुरुवार को मतदान हो जाने के बाद अब सीधे अगले वर्ष के मध्य में लोकसभा के चुनाव होंगे। जैसा सियासी माहौल प्रचार अभियानों के दौरान नजर आया और विश्लेषकों को महसूस हुआ है उससे यह राय सहज ही बन रही है कि इन राज्यों के मतदान के जो परिणाम 3 दिसम्बर को आएंगे उनसे जनता के समक्ष नयी राहें खुलने जा रही हैं जो मौजूदा परिस्थितियों से देश को निकालने में सक्षम होंगी। वैसे तो एक संघीय ढांचे के अंतर्गत हर स्तर के चुनावों का अपना महत्व होता हैय चाहे वह स्थानीय निकायों का ही क्यों न हो, लेकिन 2019 के लोकसभा चुनावों के बाद से जिस प्रकार भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने देश में अराजकता का माहौल पैदा किया है उससे यह बात तो साफ हो गयी है कि नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री रहते देश में लोकतंत्र सुरक्षित नहीं रह सकता। वैसे तो 2014 में पहली बार पीएम बनने के बाद से ही मोदी ने सारी ताकत अपने हाथों में लेकर जनता पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया था, लेकिन उनका और भी अलोकतांत्रिक व्यवहार दूसरी बार अधिक विशाल बहुमत प्राप्त करने के बाद और भी बड़े स्वरूप में देखने को मिला। जितना खुलकर उन्होंने विपक्षी सरकारों को अस्थिर या परेशान किया, वैसा कभी भी भारत में देखने को नहीं मिला था। उनका श्कांग्रेस मुक्त भारतश का नारा कब श्विपक्ष मुक्त भारतश में बदल गया, पता भी नहीं चला। इस अलोकतांत्रिक नारे को उन्होंने ऐसा लोकप्रिय बना दिया कि लोग विधायकों की खरीद–फरोख्त कर या डरा–धमकाकर निर्वाचित राज्य सरकारों को गिराने की काली करतूतों को चाणक्यगिरी या ऑपरेशन लोटस का नाम देकर महिमामंडित करने लगे। यह ऐसा भी समय है जब मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इशारे पर केन्द्रीय जांच एजेंसियों का खुला उपयोग विपक्षी नेताओं को प्रताड़ित करने के लिये किया जा रहा है। इन एजेंसियों के लिये सम्भवतरू स्पष्ट निर्देश हैं कि उनकी कार्रवाइयां केवल विपक्षी दलों के नेताओं के खिलाफ ही होनी हैं। भाजपा व उनके समर्थक दलों व लोगों की ओर से आंखें मूंद ली जाती हैं। जिन राज्यों में चुनाव हो रहे हैं उनमें से एक छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ महादेव एप की ओर से 508 करोड़ रुपये देने का आरोप लगाया गया तो वहीं मध्यप्रदेश के कद्दावर नेता व केन्द्रीय मंत्री के पुत्र, जो दिल्ली से आकर विधायकी का चुनाव लड़ रहे हैं, वीडियो पर 100 और 500 करोड़ रुपयों की डील करते दिखते हैं। उनके घर पर प्रवर्तन निदेशालय, आयकर या सीबीआई के अधिकारी नहीं पहुंचते। केन्द्रीय जांच एजेंसियों की भूमिका एक तरह से भाजपा को मदद देने मात्र की रह गई है।

इन पांच राज्यों के चुनावों में, खासकर हिन्दी पट्टी के राजस्थान, मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ में भाजपा द्वारा साम्प्रदायिकता का कार्ड खेलने की भी कोशिश हुई जो नाकाम रही। उसके मुकाबले जनहित के मुद्दे हावी रहे। यहां तक कि विकास की चर्चा से दूर भागने वाली भाजपा को इन तीनों प्रदेशों में चुनाव जीतने के लिये वादों और गारंटियों की बात करनी पड़ी। उसे शिक्षा, रोजगार, खेती–किसानी, स्वास्थ्य आदि को भी अपने घोषणापत्रों में शामिल करना पड़ा जो उसकी परम्परा के अनुकूल नहीं है– खासकर हाल के वर्षों में। उम्मीद है कि अगर इन राज्यों में भाजपा की हार होती है, जिसके अनुमान कई विश्लेषक, सर्वेक्षण आदि कर रहे हैं, तो भाजपा को 2024 के लोकसभा चुनावों में नये सिरे से मुद्दों की तलाश करनी होगी। हालांकि अयोध्या के नवनिर्मित राममंदिर को बेशक मुद्दा बनाया जायेगा जिसका उद्घाटन मोदी के हाथों 22 जनवरी को होने जा रहा है। फिर भी वर्तमान राजनैतिक माहौल में लगता है कि जनता इसे विशेष तवज्जो नहीं देगी तथा इन्हीं चुनावों के नतीजे राममंदिर मुद्दे को पहले से ही बेअसर कर देंगे।इसी सम्भावित पराजय के कारण इन राज्यों के पूरे प्रचार अभियान के दौरान बौखलाई भाजपा एवं मोदी कांग्रेस, विशेषकर उसके प्रमुख नेता राहुल गांधी को अपने खास निशाने पर लेते रहे। उनके लिये अपशब्दों के जरिये अपमान होता रहा, लेकिन पिछले साल की 7 सितम्बर से इस वर्ष 30 जनवरी तक राहुल की श्भारत जोड़ो यात्राय ने जो परिदृश्य बदला है, उसके कारण लोगों का उनसे बड़े पैमाने पर जुड़ाव हुआ। उनका लोगों से नये सिरे से परिचय हुआ और इसी दौरान मोदी का असली रूप भी सामने आने लगा। उनकी हर मोर्चे पर नाकामी, कारोबारी गौतम अदानी व मुकेश अंबानी की उनके साथ मित्रता आदि ऐसे अनेक मुद्दे सामने आये जिसने मोदी की मेहनत व करोड़ों रुपये खर्च कर बनाई गई छवि को ध्वस्त कर रख दिया। इन चुनावों ने राहुल व कांग्रेस को बहुत सशक्त एवं एकजुट किया है। कुछ राज्यों में उनके नेताओं के बीच जो मतभेद थे वे भी जीत की प्रत्याशा में समाप्त हो गये।

आज का राशिफल

मेष :– आज का दिन शुभ और फलदायी होगा। महत्त्वपूर्ण निर्णय न लेने की सलाह है। यात्रा के योग हैं। लेखनकार्य के लिए अच्छा दिन है। महिला के साथ विवाद में न उतरें।

वृषभ :– मन को स्थिर रखने की सलाह गणेशजी देते हैं, क्योंकि अर्निणय की मनोदशा से अवसर गवां सकते हैं। प्रवास का आयोजन टाल दें। नए कार्य प्रारंभ न करें।

मिथुन :– लक्ष्मीजी की कृपा से दिन लाभदायी होगा। उत्तम भोजन, सुंदर वस्त्र व अपनों के साथ से दिन आनंददायी होगा। धन अधिक व्यय न करें।

कर्क :– कोई भी महत्त्वपूर्ण निर्णय न लें। संबंधियों से मनमुटाव हो सकता है। वाणी पर संयम रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मानहानि एवं धनहानि से बचें।

सिंह :– आज का दिन लाभदायी है। मित्रों से लाभ और पर्यटन की संभावना है। हाथ आया अवसर जा सकता है, इसलिए निर्णय टाल दें। व्यापार एवं आर्थिक लाभ के योग हैं।

कन्या :– आज दिन शुभ है। नए कार्य संपन्न होंगे। व्यापारी व नौकरीपेशा लोगों के लिए समय अच्छा है। व्यापार में लाभ व नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। पिता से लाभ होगा।

तुला :– व्यावसाय में लाभ की संभावना है ऐसा गणेशजी कहते हैं। नौकरी व व्यापार में सहकर्मियों से सहयोग नहीं मिलेगा। लंबी यात्रा का आयोजन हो सकता है। अस्वस्थ रहेंगे।

वृश्चिक :– आज शांति व सावधानीपूर्वक रूप से रहने की गणेशजी की सलाह है। नए कार्यों में असफलता के योग हैं। क्रोध पर संयम रखें। सरकार विरोधी प्रवृत्तियों से दूर रहें।

धनु :– आज का दिन आनंदपूर्वक बीतेगा। सहवास का आनंद मिलेगा। प्रवास, पर्यटन होगा। लेखनकार्य के दिन अनुकूल है। साझेदारी से लाभ होगा।

मकर :– व्यापार में विकास के लिए आज का दिन लाभकारी रहेगा। धन के लेनदेन में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। घर में सुख–शांति का वातावरण बना रहेगा।

कुंभ :– आप की वाणी व विचारों में शीघ्र परिवर्तन होगा। बौद्धिक चर्चा में शामिल होंगे। आकस्मिक खर्च की आशंका है। पाचन न होने जैसी बीमारियों से परेशान होंगे।

मीन :– गणेशजी कहते हैं कि आप में उत्साह व स्फूर्ति की कमी होगी। परिजनों के साथ विवाद न करें। अस्वस्थ महसूस करेंगे। नौकरी में चिंता रहेगी। धन व कीर्ति की हानि न हो ध्यान रखें।

बराबरी का हक और बराबरी का दिखावा

सर्वमित्रा सुरजन

अपने उपन्यास एनिमल फॉर्म में जॉर्ज ऑरवेल ने लिखा है– ऑल एनिमल्स आर इक्वल, बट सम एनिमल्स आर मोर इक्वल दैन अदर्स। यानी सभी जानवर समान हैं , लेकिन कुछ जानवर दूसरों की तुलना में अधिक समान हैं। बराबरी के दिखावे पर यह अनुपम उदाहरण सोशल मीडिया साइट एक्स की एक पोस्ट को देखकर याद आया।

इसमें एक नोटिस की तस्वीर शेयर की गई थी। नोटिस में अंग्रेजी में लिखा था– हाउस मेड्स, डिलीवरी ब्वॉयज, एंड वर्कर्स शुड नॉट यूज पैसेंजर्स लिफ्ट. इन केस दे आर कॉट, दे विल बी फाइन्ड रू. 1000. ये किस शहर और किस सोसाइटी में लगा हुआ नोटिस है, ये तो पता नहीं, और ये भी कहना कठिन है कि जिन लोगों के लिए यह गैरकानूनी नोटिस चिपकाया गया है, उनमें से कितनों को इसकी भाषा समझ आई होगी। यह नोटिस अंग्रेजी में है, और देश के कामगार तबके के अधिकतर लोग प्रांतीय भाषाओं और बोलियों को ही जानते हैं। इस नोटिस को जिस किसी ने भी तैयार किया है, उसने किस आधार पर पकड़े जाने पर एक हजार रूपए के जुर्माने की बात लिखी है, यह भी समझ से परे है।

क्योंकि लिफ्ट में जाना कोई कानूनन अपराध नहीं है। पकड़े जाने जैसी शब्दावली ऐसे लग रही है, मानो चोरी या कत्ल करते हुए कोई पकड़ा गया है। वैसे इस चेतावनीनुमा नोटिस में जो कुछ भी लिखा है, वो नए भारत का कड़वा सच है। करीब 12–15 पहले खबर पढ़ी थी कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों का गढ़ बन चुके गुड़गांव की एक बहुमंजिला इमारत में घरेलू सहायकों और कुत्तों के लिए अलग लिफ्ट की व्यवस्था की गई है और वहां रहने वाले बाशिंदों के लिए अलग लिफ्ट है। तब देश में यूपीए सरकार थी और मीडिया उद्योगपतियों का पूरी तरह से गुलाम नहीं बना था, इसलिए ऐसी खबरें अखबारों में छप जाया करती थीं। हालांकि समाज में भेदभाव तब भी मौजूद था, अब भी उतनी ही सघनता से विद्यमान है। फर्क इतना ही है कि अब जैसे ही मौका मिलता है, भेदभाव तरल होकर समाज में खुल कर बहने भी लगता है। एक दशक पहले तक समाज में इंसानियत के लिहाज की मात्रा थोड़ी अधिक थी, आंखों में शर्म थोड़ी बहुत दिख जाती थी। अब वह सब बड़ी तेजी से विलुप्त होता जा रहा है। बिल्कुल आयातित चीतों की तरह। बहरहाल, इस नोटिस को देखकर ज्यादा आश्चर्य नहीं हुआ, क्योंकि नगरीय जीवन में अब यह आम चलन हो गया है। लगभग हर बहुमंजिला इमारत में कामगारों के लिए अलग लिफ्ट की व्यवस्था है, जिसे सर्विस लिफ्ट कहा जाता है। कोरोना काल में अलग लिफ्ट के नियम का और कड़ाई से पालन होने लगा, क्योंकि संपन्न तबके के लोग यही मानकर चलते हैं कि सारी गंदगी और बीमारियां झुग्गियों में रहने वाले लोग ही उन तक पहुंचाते हैं। यह तथ्य पता नहीं कितने लोगों को याद है कि देश में कोरोना का प्रवेश हवाई यात्रा करने वालों की बदौलत हुआ है। यह भी सोचने की बात है कि आखिर किन कारणों से झुग्गी–झोपड़ियों या निचली बस्तियों में गंदगी और बीमारी फैलती है। क्यों वहां के लोग अच्छी हवा और पानी से वंचित रहते हैं। कौन उनके हक को मारकर अपनी जेबें और कोठियां भर रहा है। चंद लोगों के विलासितापूर्ण जीवन का भुगतान लाखों लोगों को क्यों करना पड़ रहा है। ऐसे सवाल समाज में अक्सर असुविधा पैदा कर देते हैं, इनके जवाब ढूंढने में खुद का सामना आईने से हो जाता है। इसलिए बेहतर यही होता है कि ऐसे मामलों की तह में जाएं ही नहीं और जैसा चल रहा है, वैसा ही चलने दें। जब देश गुलाम था, तब लोगों को खरीदने–बेचने का चलन था, दास प्रथा चलती थी, निचली जाति या हैसियत के लोगों को धन और सत्ता की शक्ति से संपन्न लोगों की चाकरी करनी पड़ती थी। देश आजाद हो गया, तो संविधान निर्माताओं ने भारत की इस सामाजिक सच्चाई को समझते हुए नियम–कानून बनाए। सबके लिए बराबरी का अधिकार निश्चित किया। हालांकि वे भी जानते थे कि भारत अपनी भेदभाव वाली मानसिकता से इतनी जल्दी नहीं उबर पाएगा, फिर भी उन्होंने उम्मीद नहीं छोड़ी और अपनी ओर से नए भारत को जो बेहतरीन तोहफा दे सकते थे, वो संविधान के रूप में दिया। अफसोस ये है कि इस संविधान का पूरा लाभ उन नागरिकों को ही नहीं मिल रहा है, जिन्हें खास तौर पर ध्यान में रखते हुए बराबरी के अधिकार को शामिल किया गया है। चाकरी, गुलामी, दासता, जो कह लें, शक्तिशाली और प्रभावशाली लोगों की बदौलत अब भी समाज में विद्यमान हैं। तीन दिन पहले ही देश की सरकार ने संविधान दिवस मनाया है। मोदी सरकार के आने के बाद से 26 जनवरी के साथ–साथ 26 नवंबर का महत्व भी बढ़ा दिया गया है।इस बार तो प्रधानमंत्री मोदी ने इस दिन मन की बात भी की, क्योंकि महीने का आखिरी रविवार था। खैर, 26 नवंबर के ही दिन हमारे रिहायशी इलाके के व्हाट्सऐप ग्रुप पर एक चर्चा छिड़ी, जिसमें इस बात पर कुछ लोगों ने आपत्ति जतलाई कि सोसाइटी परिसर के भीतर मौजूद ब्यूटी पार्लर में घर में काम करने वाली मेड्स यानी सहायिकाओं को क्यों प्रवेश दिया जा रहा है। बाकायदा सवाल उठाया गया कि फेशियल, मेनिक्योर, पेडिक्योर या बाल कटवाने के लिए ये सहायिकाएं उस पार्लर में कैसे जा सकती हैं, और इनके पास इतने पैसे कहां से आते हैं कि ये पार्लर का खर्च उठा सकें। कुछ लोगों ने यह मांग भी उठाई कि पार्लर के मालिक के खिलाफ शिकायत कर इसे बंद करवाना चाहिए। इस सवाल को देखकर मन भीतर तक वितृष्णा से भर उठा कि आखिर सभ्य समाज में रहने वाला इंसान इतनी गिरी हुई सोच कैसे ला सकता है और इतना दुस्साहस कैसे जुटा सकता है कि ऐसे सवाल उठाए। हालांकि ये देखकर संतोष हुआ कि कुछ लोगों ने फौरन ऐसे सवाल का प्रतिवाद किया और पूछा कि हम इन मेड्स से अपना घर साफ करवा सकते हैं, इनका बनाया भोजन ग्रहण कर सकते हैं, अपने बच्चों को इनके भरोसे छोड़ सकते हैं, लेकिन अगर ये अपने सौंदर्य पर अपने पैसे खर्च करना चाहें और संपन्न घरों की महिलाओं की तरह पार्लर में जाएं, तो किसी को तकलीफ क्यों होनी चाहिए। कामगारों के लिए अलग लिफ्ट से होते हुए बात पार्लर जाने पर आपत्ति तक पहुंच गई, लेकिन मूल सवाल वही बना हुआ है कि आखिर धर्म, जाति, नस्ल और आर्थिक स्थिति का यह भेदभाव किस तरह खत्म होगा। संविधान ने केवल रास्ता दिखाया है, उस पर चलने की इच्छाशक्ति समाज को ही दिखानी होगी। फिल्म दीवार में अमिताभ बच्चन का एक डायलॉग काफी चर्चित हुआ था, जिसमें वे एक बिल्डिंग को खरीदते हैं और कहते हैं कि आपने इसके 10 लाख रूपए और मांगे होते तो भी मैं दे देता। आज से बीस बरस पहले जब ये बिल्डिंग बन रही थी, तो मेरी मां ने इसमें ईंटें उठाई थीं। आज मैं ये बिल्डिंग अपनी मां को तोहफे में देने जा रहा हूं।

अब जिंदगी तो कोई फिल्म नहीं है, जिसमें इस तरह के संवाद कहने–सुनने मिलें। ऊंची इमारतों से लेकर, चौड़ी सड़कों और उत्तरकाशी के सिलक्यारा में बन रही सुरंग तक, सबमें मजदूरों का खून–पसीना लगा होता है। एक बार निर्माण हो जाने के बाद इन पर पूंजीपतियों का कब्जा हो जाता है। मजदूर न लाखों–करोड़ों के घरों में कभी रह पाते हैं, न इन सड़कों पर रफ्तार भरने वाली गाड़ियों पर सवार हो पाते हैं। उन्हें उनकी मजदूरी के अतिरिक्त कोई तोहफा भी नहीं मिलने वाला। लेकिन संविधान में उनको जिस बराबरी का हक मिला हुआ है, उसे किसी भी तरह न मारा जाए, इतना ही ध्यान समाज रख ले तो गैरबराबरी दूर करने में यह बड़ा कदम होगा। फिर किसी बेटे को अपनी मां को तोहफा देने के लिए बेईमानी की राह पर नहीं चलना पड़ेगा।

खालिस्तानियों की शर्मनाक हरकत

भारत से राजनयिक विवाद के बावजूद जहां कनाडा में खालिस्तान समर्थकों का उत्पात जारी है वहीं अमेरिका के न्यूयार्क में गुरुपर्व के

मौके पर गुरुद्वारे में माथा टेकने गए भारतीय राजदूत तरणजीत सिंह घ्संधू से खालिस्तान समर्थकों की धक्का–मुक्की और शर्मनाक व्यवहार की जितनी निंदा की जाए उतनी कम है। खालिस्तान समर्थकों ने उन्हें आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए नारेबाजी की और आरोप लगाया कि उन्होंने ही एसएफजे के सरगना गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश भी रची है। कनाडा में खालिस्तानी तत्व लगातार हिन्दू मंदिरों के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं और पन्नू ने तो यह धमकी भी दी है कि कनाडा से हिन्दुओं को निकाला जाना चाहिए। पन्नू ने हाल ही में एयर इंडिया के विमानों को निशाना बनाने की धमकी दी थी और वह लगातार भारत के विरुद्ध जहर उगल रहा है। पन्नू अमृतसर के गांव खानकोट का रहने वाला है और वह अमेरिका में रहकर पंजाब में खालिस्तानी अलगाववादी मुहिम चला रहा है। भारत ने उसे आतंकवादी घोषित कर रखा है और उस पर एक दर्जन से ज्यादा केस दर्ज हैं। वह कथित खालिस्तान की स्थापना को लेकर डींगे हांकता रहता है। एक आतंकी इतना प्रभावशाली हो चुका है घ्जो कनाडा में रह रहे भारतीय समुदाय को धर्म के आधार पर घविभाजित करने की कोशिश कर रहा है। कनाडा में मुट्ठी भर खालिस्तान समर्थकों ने मंदिर के सामने प्रदर्शन किया तो हिन्दू समुदाय के लोग भी उनके सामने खड़े हो गए। जब भारत माता की जय के नारे गूंजे तो खालिस्तान समर्थक भाग खड़े हुए। न्यूयार्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत की भूमिका को लेकर जो आरोप लगाए हैं, अमेरिका ने ही इस मामले में उन्हें खुफिया जानकारी उपलब्ध कराई थी। हाल ही में अमेरिकी अखबार फाइनैंशियल टाइम्स ने भी सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि अमेरिका ने अपने देश की भूमि पर गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश को नाकाम किया है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने इस साजिश में भारत के शामिल होने का आरोप लगाया है। इसके बाद अमेरिका की भूमिका को लेकर सवाल उठ खड़े हुए हैं कि अमेरिका भारत से कैसे रिश्ते रखना चाहता है। पन्नू को अमेरिका की नागरिकता हासिल है और इन रिपोर्टों का अर्थ यही है कि उसे कनाडा और अमेरिका की सरकारों का संरक्षण प्राप्त है। अमेरिका ने तो भारत को यहां तक कह दिया था कि वह आतंकवादी निज्जर की हत्या की जांच में कनाडा को सहयोग करेगा। हैरानी इस बात की है कि जिस अमेरिका ने ओसामा बिन लादेन की तलाश में अफगानिस्तान की तेरा बोरा पहाड़ियों की खाक छानी और अंततः पाकिस्तान में घुसकर लादेन को मारा था, जिस अमेरिका ने अफगानिस्तान में छिपे बैठे अल जवाहरी को ड्रोन घमिसाइल से मार गिया और जिस अमेरिका ने इराक में घुसकर सद्दाम हुसैन को ढूंढकर फांसी पर चढ़ाया था उसे आतंकीघ निज्जर की हत्या और पन्नू पर हमले की साजिश की इतनी चिंता क्यों है? क्या कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने इस पर कभी सवाल उठाया था। जस्टिन ट्रूडो एक के बाद एक गलतियां कर रहे हैं, जिसके चलते कनाडा में किसी दूसरे देश की तुलना में ज्यादा आतंकी और गैंगस्टर मौजूद हैं। यह ड्रग तस्कर, आतंकवादी और गैंगस्टर आपस में लड़ रहे हैं। यह वही खालिस्तानी हैं जिन्होंने भारत के कनिष्क विमान को उड़ा दिया था,घ जिसमें 300 से ज्यादा कनाडाई नागरिक मारे गए थे। वहां खालिस्तान समर्थक अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं। ट्रूडो का खालिस्तान समर्थकों से समझौता है। इसके पीछे कारण यह है कि उनकी अल्पमत सरकार कोघ्खालिस्तानी पार्टियों का समर्थन प्राप्त है। अपनी अल्पमत सरकार को बचाने के लिए ही ट्रूडो भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप कर रहे हैं और अनर्गल आरोप लगा रहे हैं।

कनाडा में ट्रूडो की लोकप्रियता महंगाई और बेरोजगारी तथा लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था के चलते घट चुकी है और वह जैसे–तैसे अपना पद बचाने के लिए जुगाड़ में लगे हैं। अमेरिका एक तरफ भारत से व्यापारिक और रणनीतिक साझेदारी बढ़ा रहा है। इसी महीने भारत और अमेरिका के बीच टू प्लस टू मंत्रीस्तर की वार्ता हुई है लेध्किन वह आतंकवाद के मामले में दोगली चाल चल रहा है। इस विवाद से यह संकेत भी मिलता है कि अगर भारत और कनाडा के बीच तनाव बढ़ा तो अमेरिका की कूटनीतिक प्राथमिकताएं क्या होंगी। हालांकि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार बनकर उभरा है लेकिन तथ्य यह है कि कनाडा अमेरिका का सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार है और अमेरिका–मैक्सिको–कनाडा समझौते की बदौलत उनके पारम्परिक रिश्ते रहे हैं। एक करीबी आर्थिक और सांस्कृतिक साझेदार तथा चीन के बढ़ते प्रभुत्व को संतुलित करने के लिए एक बिना जांचे परखे साझेदार के बीच चुनने में शायद अमेरिका को कोई संशय न हो। खासकर तब जब अमेरिका जापान, दक्षिण कोरिया और फिलिपींस के माध्यम से त्रिपक्षीय गठजोड़ के रूप में विकल्प तलाश रहा हो। ऐसे में कनाडा को लेकर भारत की नाराजगी उचित हो सकती है लेकिन भारत को शायद घरेलू और विदेश नीति संबंधी लक्ष्यों में संतुलन कायम करना पड़े। भारत ने इन मामलों को गम्भीरता से लिया है।

तेलंगाना चुनाव प्रचार के आखिरी चरण में तेजी से आगे बढ़ी कांग्रेस

कल्याणी शंकर

जैसे–जैसे तेलंगाना चुनाव अपने अंतिम चरण में पहुंचा, भारत का सबसे युवा राज्य त्रिकोणीय चुनावी मुकाबले के लिए तैयार है। सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बी.आर.एस.), कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जीत के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। 2014 में अपनी स्थापना के बाद से बी.आर.एस. प्रमुख के.चंद्रशेखर राव शीर्ष पर रहे हैं। वह हैट्रिक लगाने को बेताब हैं। हालांकि, सत्ता विरोधी लहर उनके लिए एक बड़ी चुनौती है। अलग तेलंगाना आंदोलन का सफलतापूर्वक नेतृत्व करने के बावजूद, उन्हें विभिन्न कारणों से लोकप्रियता में गिरावट का सामना करना पड़ा है। 2018 में, आश्चर्यजनक रूप से, चुनावों को समय से पहले रखते हुए, टी.आर.एस. 119 सदस्यीय विधानसभा में 88 सीटें जीतीं। कांग्रेस ने 19 और ए.आई.एम.आई.एम. ने 7 सीटें जीती थीं। वर्तमान में बी.आर.एस. अन्य दलों को तोड़कर कुल 99 सीटें बना चुकी हैं, जबकि कांग्रेस के पास 8 विधायक हैं। ए.आई.एम.आई.एम. और भाजपा के पास क्रमशरू 7 और 6 विधायक हैं। केसीआर ने अपने बेटे और बेटी सहित अपने परिवार के सदस्यों को प्रमुख पदों पर स्थापित किया है। उनके बेटे, केटी रामा राव, उपमुख्यमंत्री हैं, उनकी बेटी, कविता, एक सांसद हैं, और उनका भतीजा एक मंत्री है। राव के पास अपने और अपने परिवार के लिए बड़ी योजनाएं हैं। जीतने के बाद, वह अपने बेटे को राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में स्थापित

करने की योजना बना रहे हैं। राज्य स्तर के राजनेता होने से संतुष्ट नहीं, उन्होंने राष्ट्रीय राजनीति पर अपनी नजरें जमा ली हैं। पहले कदम के रूप में, केसीआर ने पार्टी का नाम तेलंगाना राष्ट्र समिति से बदलकर भारत राष्ट्र समिति कर दिया, जो अधिक राष्ट्रीय दृष्टिकोण की ओर बदलाव का संकेत है। राव ने पिछले दशक में तीसरा मोर्चा, संघीय मोर्चा और जिंजर ग्रुप बनाने का प्रयास किया था, लेकिन कोई उन्हें गंभीरता से लेने वाला नहीं था। नवगठित विपक्षी इंडिया गठबंधन ने भाजपा को चुनौती देने के अपने उद्देश्य के बावजूद, अभी तक केसीआर को अपने साथ शामिल होने के लिए आमंत्रित नहीं किया है। उनका आरोप है कि केसीआर भाजपा की बी टीम है।यह चुनाव तीन प्राथमिक खिलाड़ियों के लिए एक सफल क्षण है, क्योंकि भाजपा तेलंगाना को दक्षिणी राजनीति में लाभ पाने के एक अवसर के रूप में देखता है। नतीजे निस्संदेह अगले साल के लोकसभा चुनाव की दिशा तय करेंगे। तेलुगु देशम पार्टी (टी.डी.पी.) एक समय एक महत्वपूर्ण राजनीतिक खिलाड़ी थी, लेकिन पिछले दशक में कमजोर हो गई है। इसके नेता चंद्रबाबू नायडू भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे हैं और उन्होंने घोषणा की है कि पार्टी आगामी चुनावों में भाग नहीं लेगी। इस बीच, कांग्रेस पार्टी ने अपनी स्थिति फिर से हासिल कर ली है और बी.आर.एस. के लिए एक गंभीर चुनौती खड़ी कर दी है। राज्य में मुख्य विपक्षी दल बनने का भाजपा का लक्ष्य दूर की कौड़ी है। नगर निगम चुनाव में सुधार के बावजूद अब वह तीसरे स्थान पर खिसक गई है। कर्नाटक में दो बार जीतने के अलावा, भाजपा का एन.आर. कांग्रेस के साथ गठबंधन को छोड़कर, दक्षिण भारत में कोई महत्वपूर्ण उपस्थिति नहीं है। भाजपा उत्तर में किसी भी संभावित नुकसान को संतुलित करने के लिए दक्षिण में अधिक सीटें हासिल करने का इरादा रखती है, जहां उनका विस्तार पहले से ही अपने चरम पर है। कांग्रेस को 2014 में दबाव में आकर आंध्र प्रदेश को बांटने का अफसोस है। हैरानी की बात यह है कि यह कदम उल्टा पड़ गया क्योंकि लोगों ने कांग्रेस को खारिज कर दिया और तेलंगाना में टी.आर.एस. तथा आंध्र प्रदेश में वाई.एस.आर.सी.पी. को अपना लिया। केसीआर ने दो निर्वाचन क्षेत्रों, गजवेल और कामारेड्डी से अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की है। गजवेल में उनका मुकाबला बी.आर.एस. के एक बागी से है, जबकि कामारेड्डी में उनका मुकाबला कांग्रेस नेता रेवंत रेड्डी से होगा। उन्होंने जोखिम लेने के बावजूद पार्टी में किसी भी विद्रोह से बचने के लिए सभी मंत्रियों और वरिष्ठ विधायकों को बरकरार रखा है। हालिया जनमत सर्वेक्षणों के अनुसार, कांग्रेस पार्टी प्रतियोगिता में सबसे आगे है, उसके बाद बी.आर.एस. और भाजपा। बी.आर.एस. की पिछली बार की तुलना में कम सीटें जीतने की उम्मीद है, जबकि कांग्रेस को ज्यादा सीटें मिलने का अनुमान है। ए.आई.एम. आई.एम. , जिसकी सीमित उपस्थिति है, वही सीटें बरकरार रख सकती है। कुछ स्वतंत्र उम्मीदवार एक या दो सीटें जीत सकते हैं। भाजपा के चौथे स्थान पर रहने की उम्मीद है। केसीआर का मानना है कि उनके काम से उन्हें वोट मिलेंगे। उन्होंने सिंचाई और कृषि के साथ–साथ सूचना प्रौद्योगिकी पर भी ध्यान केंद्रित किया है। गूगल जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने 2014 से पहले भी हैदराबाद में निवेश किया है। तेलंगाना की जी.डी.पी. दोगुने से भी ज्यादा हो गया है। लेकिन नकदी से समृद्ध राज्य पर भारी कर्ज का बोझ है। भाजपा, कांग्रेस के अलावा तेलंगाना पर शासन करने वाली किसी अन्य पार्टी के साथ सामंजस्य स्थापित करेगी। खबरों के मुताबिक भाजपा एक गुप्त सौदे में केसीआर की मदद कर रही है। बदले में भाजपा केसीआर की बेटी पर नरम रुख अपनायेगी, जिसे एजेंसियां परेशान करती थीं।

रेवंत रेड्डी के नेतृत्व की बदौलत कांग्रेस तेजी से बढ़त हासिल कर रही है। सोनिया गांधी ने मतदाताओं का दिल जीतने के लिए छह लोकलुभावन योजनाओं की घोषणा की, जिसमें महिलाओं के लिए 2500 रुपये और किसानों के लिए 15000 रुपये की पेशकश की गई। उन्होंने भीड़ को यह भी याद दिलाया कि कांग्रेस ने 2014 में तेलंगाना बनाया था। केसीआर की सफलता उनकी राजनीतिक रणनीति पर निर्भर है। इसके विपरीत, उनके विरोधी उनके परिवार की आलोचना करते हैं और उन पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हैं। केसीआर 2014 में तेलंगाना मुद्दे पर विजयी हुए और 2018 के चुनाव में किसानों का समर्थन किया। हालांकि, वर्तमान में, उन्हें सत्ता विरोधी लहर, पुनर्जीवित कांग्रेस और केंद्र का सामना करना पड़ रहा है वह अपनी बेटी की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का प्रयास कर रहा है। कांग्रेस को गेम ऑफ थोर्न्स में सत्ता हासिल करने के लिए इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए। बदलाव का मूड है। जब लोग परिवर्तन लाने के लिए दृढ़ संकल्पित होते हैं, तो वे किसी भी चुनौती या बाधा के बावजूद ऐसा करेंगे।

गणेश मेमोरियल एक्सल हॉस्पिटल चाइल्ड केयर सेंटर का हुआ भव्य उद्घाटन

नगर पालिका परिषद अध्यक्ष मनोरमा मौर्य ने फीता काटकर किया उद्घाटन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर चिकित्सा जगत के क्षेत्र में जनपद में बच्चो के डॉक्टरों में एक और नाम जुड़ गया है। नगर के सिपाह आजमगढ़ रोड स्थित गणेश मेमोरियल एक्सल हॉस्पिटल चाइल्ड केयर एवं ई एन टी सेंटर का उद्घाटन नगर पालिका अध्यक्ष मनोरमा मौर्य वह वर्चुअल रूप से राज्य मंत्री गिरीश चंद यादव व एमएलसी बृजेश कुमार सिंह द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर चेयरमैन मैन ने कहा कि यह चाइल्ड केयर सेंटर देश के प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री कि गरीबों को बेहतर चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के क्षेत्र में सराहनीय कदम है। हॉस्पिटल के संचालक डॉ सलिल श्रीवास्तव नवजात शिशु बाल रोग हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर निधि श्रीवास्तव कैंसर रोग विशेषज्ञ द्वारा सप्ताह में एक दिन निशुल्क मरीजों के परीक्षण की व्यवस्था किया गया है जिससे कि लोगों को इलाज करने में आसानी हो और समय से लोगों को रोग के बारे में जागरूक किया जा सके। यह बहुत ही सराहनी कार्य है। डॉ सलिल श्रीवास्तव ने कहा कि हम सरकार द्वारा चलाई जा रही तमाम योजनाओं का लाभ भी समय–समय पर मरीजों को देने का प्रयास करेंगे हफ्ते में एक दिन मंगलवार को निशुल्क ओपीडी किया जाएगा ।इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता व चेयरमैन प्रतिनिधि डॉ रामसूरत मौर्या पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप सिंह वरिष्ठ कांग्रेसी नेता राजेश कुमार सिंह वरिष्ठ भाजपा नेता राजेश श्रीवास्तव बच्चा भैया राकेश श्रीवास्तव कर्मचारी नेता उमेश श्रीवास्तव दीपक श्रीवास्तव पत्रकार अनुपम श्रीवास्तव रवि श्रीवास्तव प्रदीप अस्थान अजय वर्मा राजू श्रीवास्तव मनीष श्रीवास्तव सभासद ,मनीष श्रीवास्तव आदि लोग उपस्थित रहे ।अस्पताल के संरक्षक चंद्र मोहन श्रीवास्तव ने सभी आए हुए अतिथियों और विशिष्ट जनों को धन्यवाद भी दिया।

मुख्य विकास अधिकारी द्वारा किया गया निरीक्षण

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' शुक्रवार को मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी द्वारा प्राथमिक विद्यालय कन्जड़पुरवा ब्लाक टड़ियावां, आंगनवाड़ी केन्द्र कंजड पुरवा एवं विकास खण्ड कार्यालय सुरसा तथा अस्थायी पशु आश्रय स्थल उमरापुर का निरीक्षण किया गया। प्राथमिक विद्यालय कन्जड़पुरवा में पंजीकृत 136 बच्चों के सापेक्ष 70 बच्चे उपस्थित पाये गये। विद्यालय परिसर का निरीक्षण करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने रिक्त भूमि पर किचेन गार्डेन बनाये जाने के निर्देष दिये। शौचालय का निरीक्षण करने पर गन्दे पाये जाने पर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा इंचार्ज प्रधानाध्यापक ममता तिवारी को सचेत करते हुए दैनिक साफ–सफाई कराने के निर्देष दिये। आंगनवाड़ी केन्द्र कन्जड़पुरवा में पंजीकृत 40 बच्चों के सापेक्ष मात्र 08 बच्चे ही उपस्थित पाये गये साथ ही आंगनवाड़ी कार्यकत्री उर्मिला देवी अनुपस्थित थीं। मौके पर बच्चों के शिक्षण कार्य हेतु केन्द्र को उपलब्ध करायी गयी सामग्री, वजन मषीन एवं लंबाई मापने का उपकरण पैक करके रखे गये थे ऐसा प्रतीत हो रहा था कि आंगनवाड़ी केन्द्र का संचालन ठीक प्रकार से नहीं किया जाता और न ही उपकरणों एवं अध ययन सामग्री का प्रयोग किया जाता है। केन्द्र पर आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक वालपेन्टिंग भी नहीं करायी गयी थी। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकत्री उर्मिला का मानदेय बाधित करते हुए उनके विरूद्ध कार्यवाही हेतु जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देषित किया गया। तदोपरांत विकास खण्ड कार्यालय सुरसा का निरीक्षण किया गया तथा स्थापना पटल के अभिलेख अधूरे पाये जाने पर पटल सहायक कामता प्रसाद का वेतन अभिलेख पूर्ण होने तक बाधित कर दिया गया। इसके अतिरिक्त ब्लाक परिसर में स्थापित बाल विकास परियोजना अधिकारी कार्यालय का निरीक्षण करते हुए अभिलेखों का रख–रखाव अव्यवस्थित पाये जाने पर बाल विकास परियोजना अधिकारी मंजू वर्मा को चेतावनी देते हुए अभिलेखों का रख–रखाव सुव्यवस्थित ढंग से कराये जाने के निर्देष दिये गये। अस्थायी गौ आश्रय स्थल उमरापुर का निरीक्षण करते हुए जाड़े में पषुओं हेतु तिरपाल की व्यवस्था कराने तथा साड़ों की संख्या अधिक पाये जाने पर गाय एवं साड़ हेतु गौषाला में पृथक–पृथक व्यवस्था कराने हेतु खण्ड विकास अधिकारी एवं ग्राम पंचायतसचिव को निर्देष दिये गये। निरीक्षण के समय सुशील कुमार सिंह, खण्ड विकास अधिकारी, सुरसा डा0 शालिनी पाण्डेय, पशु चिकित्सा अधिकारी, सुरसा, रजनीकांत सहायक विकास अधिकारी पंचायत एवं शिव ओम पाण्डेय, ग्राम पंचायत सचिव उपस्थित रहे।

01 जनवरी को 18 वर्ष आयु पूर्ण कर रहे छात्र–छात्रायें मतदाता पहचान पत्र बनवायें: एडीएम

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव

'हरदोई' विगत 30 नवम्बर 2023 को शाहाबाद विधान सभा क्षेत्र के श्री हर्ष पाण्डेय इण्टर कालेज में आयोजित स्वीप कार्यक्रम का मुख्य अतिथि के रूप में उपजिलाधिकारी शाहाबाद पूनम भास्कर ने दीप प्रज्जवलित कर उद्घाटन किया तथा कालेज में आयोजित भाषण, रंगोली व वाद–विवाद प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम की जानकारी देते हुए एसडीएम ने कहा कि जो छात्र–छात्रायें या उनके परिवारीजन 01 जनवरी 2023 को 18 वर्ष वह सभी अपने पोलिंग बूथ के विद्यालय में बीएलओ मिलकर या ऑनलाइन फार्म छः भरकर अपना मतदाता पहचान पत्र बनवायें और अपना मताधिकार अवश्य करें। उन्होंने कहा कि जिस गांव–घर में एक गांव से दूसरे गांव की नव विवाहिता आयी है या अन्य कोई व्यक्ति जो कही बाहर रहते हो और अपना नाम अपने गांव के बूथ पर दर्ज कराना चाहते है वह फार्म 8 भरकर अपना नाम, बूथ या विधान सभा का संशोधन करायें।

जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के 5वें स्थापना दिवस पर समस्त जनता जनार्दन को हार्दिक बधाई : पीयूष त्रिवेदी

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

राजधानी । लखनऊ में जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के प्रदेश कार्यालय पर पांचवे स्थापना दिवस के अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उत्साह पूर्वक उपस्थित हुए । जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेता जनसत्ता दल लोकतांत्रिक कुँवर अक्षय प्रताप सिंह ष्गोपाल भैयाष जी, प्रदेश महासचिव कुंवर बृजेश सिंह राजावत जी, लखनऊ के जिलाध्यक्ष कुंवर संग्राम सिंह सूरज जी के नेतृत्व मे प्रदेश कार्यालय जनसत्ता दल पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया । लोगो ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर मुंह मीठा किया। और संकल्प लिया कि जिस प्रकार से कुंवर रघुराज प्रताप सिंह ष्राजा भैयाष जी 31 वर्षों से सेवा नीति के भाव से जनसेवा में लिप्त हैं उसी प्रकार सभी पदाधिकारी गण, कार्यकर्ता गण तथा सक्रिय सदस्य गण जन जन की सेवा करते रहेंगे । इस शुभ अवसर पर हजारों की तादाद में कार्यकर्ता उपस्थित रहे । जिसमे मुख्य रूप से महानगर अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ पीयूष त्रिवेदी, वैष्णव देव बाजपेयी, अनुज शुक्ला, कुलदीप वर्मा, सागर राठौड़, राजकुमार सिंह राठौड़, निर्भय सिंह तथा हजारों की तादाद में पार्टी कार्यकर्ता शामिल रहे।

विश्व एड्स दिवस पर डायट में पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर विश्व एड्स दिवस पर डायट जौनपुर में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । जिसमें डायट प्रशिक्षुओं द्वारा पोस्टर के माध्यम से एड्स रोकथाम पर पोस्टर बनाकर जागरूक किया गया। डायट प्राचार्य डा विनोद कुमार शर्मा द्वारा प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया और प्रशिक्षुओं को एड्स के बारे में जागरूक किया गया । कार्यक्रम में वरिष्ठ प्रवक्ता डा रविंद्र यादव प्रवक्ता डा अश्वनी पांडेय ,अमित यादव ,राजकुमार ,मंजुलता यादव एवम हुमाना से डा चंद्रशेखर यादव मौजूद रहें।

एचआईवी एवं एड्स दोनो बीमारी अलग–अलग हैं : सुधाकर दुबे

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)। शुक्रवार को जिला महिला चिकित्सालय हरदोई में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया । कार्यक्रम मुख्य अतिथि अपर जिला जज ⁄ सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई श्री सुधाकर दुबे ने कहा कि विश्व एड्स दिवस मनाने का उद्देशय एड्स के प्रति जागरुकता फैलाना है। कुछ लोग एचआईवी एवं एड्स को एक ही बीमारी समझते हैं लेकिन यह जानना जरूरी है कि दोनो बीमारी अलग–अलग हैं। प्रति वर्ष एक दिसम्बर को पूरे विश्व मे एड्स दिवस मनाया जाता है। जिसका मुख्य उद्देश्य इस खतरनाक वायरस के प्रति लोगों को जागरुक करने के लिये विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से जानकारी दी जाती है ताकि ऐसे भंयकर वायरस के शिकार होने से बच सकें क्योंकि जानकारी ही बचाव है। उन्होने निर्देशित करते हुये कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों मे महिलाओं व पुरुषों को इसके बारे में अधिक से अधिक जागरुक करने का कार्य करें। सचिव ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दी जाने वाली निशुल्क विधिक सेवाओं के बारे में भी चर्चा की। निर्मला इंस्टीटियुट ऑफ नर्सिगं एण्ड पैरामेडिकल साइंसेज पोखरी हरदोई के जेएनएम की छात्राओं व मेडिकल कॉलेज हरदोई के एमबी बीएस छात्रों द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से प्रस्तुति देकर जागरुक किया। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य चिकित्साधिकारी रोहितास कुमार ने बताया कि एड्स एक्वायरड इम्युनो डेफिसिएंसी सिंड्रोम एवं एचआईवी ह्यूमन इमयूनो डेफिसिएंसी वायस से बचाव के बारे में जानकारी दी। संर्कमित महिला के संपर्क मे आने एवं एक ही इन्जेक्शन प्रयोग करने से वायरस का शिकार हो सकते हैं इसलिये सुरक्षित रहे और जागरुक रहे। इस अवसर पर जिला क्षय रोग अधिकारी डा0 नौमानउल्ला, प्रोफेसर डा0 दीपक कुमार, डा0 संजीव दुबे, प्रोफेसर डा0 अतिथि गर्ग, डा0 अनिल कुमार पंकज, डा0 जावेद खां, अनुग्रह भारद्वाज जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के लिपिक अभिषेक अवस्थी, लीगल एड क्लीनिक दिनेश कुमार आदि मौजूद रहे।

एड्स के बारे में जागरूकता जरूरी: प्रो. वंदना सिंह

जांच शिविर में 152 मरीजों की गई जांच

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केन्द्र में शुक्रवार को अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय, व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग एवं उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में विश्व एड्स रोकथाम दिवस के अवसर पर जन जागरूकता कार्यक्रम एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि एड्स एक ऐसी बीमारी है जो एक व्यक्ति के शरीर के रोगाणुओं के कारण होती है। यह बीमारी एक व्यक्ति के शरीर के रोगाणुओं के कारण उसकी प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर कर देती है जिससे उसे अन्य रोगों से लड़ने की क्षमता नहीं रहती है। इस बीमारी के बारे में जागरूकता फैलाना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमें इस बीमारी के खिलाफ लड़ना चाहिए और इसे रोकने के लिए सक्रिय रहना चाहिए। इस जांच शिविर में 152 मरीजों की जांच की गई और 100 अधिक लोगों को एड्स के बारे में जागरूक किया गया। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. शिवकुमार ने लोगों को एड्स के प्रति जागरूक किया। कहा हमें इस बीमारी के खिलाफ जंग जारी रखनी चाहिए ताकि हम इसे जल्द से जल्द खत्म कर सकें। साथ ही सभी पंजीकरण कराने वाले मरीजों की चेकअप कर दवा दी गई। शिविर में डॉ. ए.ए. जाफरी, डॉ. निशांत, डॉ. विनोद कुमार, डॉ. अंकित सिंह यादव, डॉ. उमेश सरोज, डॉ. सी. बी.एस. पटेल, डॉ. विनोद वर्मा, डॉ. हमजा अंसारी, डॉ पूनम सिंह यादव, डॉ. अजीत कुमार यादव आदि चिकित्सकों ने मरीजों का परीक्षण किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनोज कुमार पांडेय ने किया। इस मौके पर परीक्षा नियंत्रक बी.एन. सिंह, उप कुलसचिव अमृतलाल, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. बी. डी शर्मा, डॉ सुनील कुमार, डॉ. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, राजेंद्र प्रसाद सिंह, राजेश सिंह. राजनारायण सिंह, स्वतंत्र कुमार, जगदम्बा मिश्र आदि उपस्थित थे।

कृपाशंकर सिंह ने किया महाराणा प्रताप मूर्ति स्थल का निरीक्षण

महाराणा प्रताप की यह भव्य मूर्ति पूर्वांचल की शान व जनपद की पहचान होगी : ओमप्रकाश सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जौनपुर में महाराणा प्रताप की भव्य प्रतिमा लग रही है जिस क्रम में आज पूर्व गृहराज्य मंत्री व भाजपा उपाध्यक्ष महाराष्ट्र कृपाशंकर सिंह ने मूर्ति स्थल पर पहुँच कर निरीक्षण किया।

आप सभी को बता दू की राजपूत सेवा समिति द्वारा कलीचाबाद तिराहे पर स्थापित होने जा रही महाराणा प्रताप की भव्य मूर्ति का मुख्यमंत्री द्वारा अनावरण किया जा सकता है और इसी के मद्देनजर पूर्व गृहराज्य मंत्री व भाजपा उपाध्यक्ष महाराष्ट्र कृपाशंकर सिंह ने निरीक्षण किया । इस मौके पर उपस्थित राजपूत सेवा समिति के सदस्य ओम प्रकाश सिंह से मूर्ति की भब्यता और पार्क के सुंदरीकरण पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि मूर्ति निर्माण में जो सहायता की जरूरत पड़ेगी उसके लिए मुझसे जो भी मदद की जरूरत होगी मै तैयार हूं। बातचीत के दौरान कृपाशंकर सिंह ने कहा कि वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की यह भव्य मूर्ति पूर्वांचल की शान व जनपद की पहचान होगी। समिति के सदस्यों के ऐतिहासिक कार्य की सराहना की। उन्होंने आश्वासन दिया कि पार्क के सुंदरीकरण में कही से भी कोई कमी नहीं रहेगी। ओम प्रकाश सिंह ने बताया कि चेतक घोड़े पर सवार महाराणा प्रताप की भव्य मूर्ति 13 फीट ऊंची होगी, जो करीब 9 फीट ऊंचे चबूतरे पर स्थापित हो गयी है। मौके पर राजपूत सेवा समिति के सदस्य रत्नाकर सिंह, रविन्द्र प्रताप सिंह, अजीत सिंह, शशि प्रताप सिंह, सिद्धार्थ सिंह सहित भारी संख्या में सदस्य मौजूद थे।

टैटू का शौक एच आई वी से कर रहा संक्रमित : डॉ. सीमा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर. वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के मिशन शक्ति 4 एवं व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विश्व एड्स दिवस के अवसर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया. जिला महिला अस्पताल की परामर्शदाता डॉ. सीमा सिंह ने कहा कि एड्स की रोकथाम के लिए समुदाय के सभी लोगों को आगे आना होगा. उन्होंने कहा कि युवाओं के टैटू का शौक उन्हें एच आई वी से संक्रमित कर रहा है. बीते दिनों उत्तर प्रदेश के कई जिलों में भारी संख्या में इसके कारण युवा पॉजिटिव हुए है.

उन्होंने कहा कि एच आई वी की जाँच कराने में किसी भी तरीके का संकोच नहीं करना चाहिए. सरकार द्वारा जांच और इलाज दोनों की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध है. संकायाध्यक्ष डॉ. अजय प्रताप सिंह ने धन्यवाद् ज्ञापन एवं संचालन डॉ जान्हवी श्रीवास्तव ने किया. इस अवसर पर डॉ. मनीष कुमार गुप्ता डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. अन्नू त्यागी समेत विद्यार्थी उपस्थित रहे.

अनियंत्रित डंपर पलटने से पिता पुत्र की मौत

हरदोई, संडीला कोतवाली क्षेत्र में दुकान बंद कर साइकिल से जा रहे पिता–पुत्र को डंपर ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दोनों सड़क किनारे खंती में जा गिरे। टक्कर मारने के बाद अनियंत्रित डंपर भी खंती में पिता–पुत्र पर ही पलट गया। घटना मे पिता–पुत्र की मौत हो गई।

वहीं, घटना के बाद चालक डंपर मौके पर छोड़ भाग निकला। संडीला कोतवाली क्षेत्र के सुंदरपुर निवासी राम किशोर (45) संडीला में बांगरमऊ तिराहे के पास सब्जी की दुकान चलाते थे। उनका पुत्र बादल (15) भी रोज शाम को दुकान पर पहुंचकर उनका सहयोग करता था।

गुरुवार रात लगभग 11 बजे राम किशोर साइकिल से बादल को लेकर गांव जा रहे थे। संडीला–उन्नाव मार्ग पर टिकरा दाउदपुर गांव के पास पीछे से आए तेज रफ्तार डंपर ने साइकिल में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से साइकिल सवार पिता–पुत्र सड़क किनारे खंती में जा गिरे।

क्रेन से डंपर को हटवाया और तब शव निकाले बाहर

अनियंत्रित हुआ डंपर भी खंती में पिता–पुत्र के ऊपर पलट गया। डंपर पलटने से राम किशोर और उसके पुत्र बादल की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी पर पहुंची पुलिस ने शुक्रवार को लगभग दो घंटे की मशक्कत के बाद क्रेन से डंपर को हटवाया और तब पिता–पुत्र के शव निकाले जा सके।

पुलिस ने डंपर कब्जे में ले लिया है। घटना की जानकारी से परिजनों में कोहराम मच गया। राम किशोर के परिवार में पत्नी सियादुलारी, तीन पुत्रियां और एक पुत्र है। बादल राम किशोर के पांच बच्चों में सबसे छोटा था। कोतवाल नित्यानंद सिंह ने बताया कि डंपर कब्जे में ले लिया गया है।

नैक मूल्यांकन में करें उत्कृष्ट प्रदर्शन: डॉ. सुधीर बोबडे

शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी और छात्रों के साथ किया संवाद नैक तैयारियों का लिया जायजा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में गुरुवार को माननीय राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ. सुधीर एम. बोबडे ने विश्वविद्यालय में नैक तैयारियों का जायजा लिया। कुलपति प्रो. वंदना सिंह के साथ विभागों के भ्रमण किया। प्रो. राजेंद्र सिंह रज्जू भैया भौतिकी अध्ययन एवं शोध संस्थान के आर्यभट्ट सभागार में शिक्षक, प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी और छात्रों के साथ संवाद किया।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के सभी राज्य विश्वविद्यालयों की नैक ग्रेडिंग अच्छी हो इसलिए राजभवन नैक को लेकर सक्रिय और गंभीर है। समय– समय पर विश्वविद्यालयों की तैयारियों के लिए दिशा निर्देश के साथ–साथ उसकी समीक्षा भी की जा रही है। इसी के तहत लखनऊ में नैक मंथन कार्यक्रम भी किया गया जिसके परिणामस्वरूप कई विश्वविद्यालय । की ग्रेडिंग में आ गए। राजभवन उत्तर प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे आशा है कि आपके अच्छे प्रदर्शन के चलते आपकी ग्रेडिंग उत्कृष्ट आएगी। इसके बाद विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि हमारे विश्वविद्यालय में हर सुविधा और संसाधन है। इसका प्रस्तुतीकरण भी हम अच्छे ढंग से कर रहे है। हम पूरी तरह से एकजुट होकर अपने विश्वविद्यालय का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने को तैयार हैं।

पूर्व कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि नैक प्रस्तुतीकरण में विश्वविद्यालय के सभी सदस्यों का योगदान रहता है। सबके प्रयास से ही अच्छी ग्रेडिंग तक हम पहुंच सकते हैं। बैठक का संचालन आईक्यूएसी के समन्वयक प्रो. मानस पांडेय और धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव महेंद्र कुमार ने दिया। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर कुलसचिव महेंद्र कुमार, परीक्षा नियंत्रक वीएन सिंह, उप कुलसचिव अमृतलाल, सहायक कुलसचिव दीपक सिंह, अजीत सिंह, प्रो. बीबी तिवारी, प्रो. मानस पांडेय, प्रो. वंदना राय, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. संदीप सिंह, प्रो.रजनीश भास्कर, प्रो. प्रदीप कुमार, डॉ. मनोज मिश्र, डॉ. प्रमोद कुमार यादव, डॉ राजकुमार, डॉ. मनीष प्रताप सिंह, डॉ. मनीष गुप्ता, डॉ. संतोष कुमार, डॉ जाह्नवी श्रीवास्तव, डॉ. संजीव गंगवार, डॉ. रसिकेश, डॉ. गिरधर मिश्र, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. श्याम कन्हैया, डॉ पुनीत धवन, डॉ. शशिकांत यादव, डॉ. अमित वत्स, कर्मचारी संघ के अध्यक्ष नंदकिशोर सिंह, महामंत्री रमेश यादव, डॉ पीके कौशिक, आदि लोग उपस्थित थे।

सरस्वती डेंटल कॉलेज का रजत जयंती माह शुरू

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सरस्वती डेंटल कॉलेज एवं लखनऊ ने अपने 25 वर्ष पूरे होने पर 1 दिसंबर 2023 को एक महीने तक चलने वाले समारोह का अन्तिम चरण शुरू किया।

तिवारी गंज अयोध्या रोड स्थित नैक "ए" मान्यता प्राप्त और शीर्ष रैंक वाले डेंटल कॉलेज परिसर में आज एक रंगीन, आंनदमय माहौल देखा।

हारमानी बैंड के शानदार प्रर्दशन के साथ कॉलेज उत्सव "इनारा" की शुरूआत हुई जिसमें छात्र लोकप्रिय बॉलीवुड गानों पर उत्साह से नृत्य कर रहें थे पूरे परिसर को रंग–बिरंगें झंडों से साइनिज और होर्डिंगस से पूरी तरह से सजाया गया था। सभी संकाय सदस्य और छात्र हाऊस टी–शर्ट पहने हुए थे। उद्धाघाटन समारोह के मुख्य अतिथि अध्यक्ष डा0 रजत माथुर, निदेशक, सरस्वती हॉस्पिटल, मिसेज स्मिता माथुर, का प्रधानाचार्य डा. के. एन. दुबे और कार्यक्रमों के आयोजकोंने स्वागत किया। रंग–बिरंगें गुब्बारें उड़ाकर कार्यक्रम की शुरूआत की घोषणा की गई इसके बाद छात्रों द्वारा पारंपरिक द्वीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना की गई। इसके बाद बीडीएस प्रथम वर्ष के छात्र एवं छात्राओं द्वारा विभिन्न लोकप्रिय गीतों पर उद्धाघाटन नृत्य का उत्कृष्ट प्रर्दशन किया गया। इसके बाद पूरे पूरे संकाय के लिए सुई–धागा दौड, नीबू दौड, तीन पैरों वाली दौड, पुस्तक दौड और गुब्बारें उडानें जैसी मनोंरजक प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। सभी खेल हंसी मजाक से भरपूर थे जिसमें प्रिंसिपल डा. के एन. दुबे, डा. रागिनी और कमांडर सुमित घोष के नेतृत्व में ब्लू टीम ने मेगा इवेंट जीता। इसके बाद जोश के भरे माहौल में दो सकांय टीम के बीच रस्सा–कस्सी प्रतियोगिता आयोजित की गई। डा. सौम्या नवित एवं डा. हिमांशू के नेतृत्व वाली टीम ने शानदार जीत हासिल की। कई छात्रों ने गुप–चुप तरीकें से खीचतान में योगदान दिया। सकांय के बीच ओपन पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें डा. आकांक्षा दुबें, डा. विवेक बैंस एवं डा. शेफाली ने जीती हासिल की। छात्र वर्ग में अंजली, अंशिका और कनूप्रिया ने पुरुस्कार जीते और श्री दिपेश माथुर को गैर संकाय वर्ग में सर्वश्रेष्ठ चुना गया। विजेतों का प्रमाण पत्र एवं मेडल प्रदान किये गए। सिल्वर जुबली कॉफी टेबल बुक के सर्वश्रेष्ठ विषय के लिए पुस्तक और पोस्टर डिजाइनिंग प्रतियोगिता को डा. रजत माथुर, श्रीमती स्मिता माथुर, प्रिसिंपल डा. के. एन. दुबे और कमांडर सुमित घोष ने जज किया। बहुप्रतीक्षित मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच भी सरस्वती वॉरियर्स (एसडीसी) और सरस्वती किंग्स (एसएचआरसी) के बीच आयोजित किया गया था, जिसमें वॉरियर्स ने 23 रन से जीत हासिल की। श्री दिपेश माथुर सर्वोच्च स्कोरर थे। डा. रजत माथुर, कमांडर सुमित घोष, डा. देवेन्द्र चोपडा डा. सुनिरा चन्द्रा और ए.के. श्रीवास्तव के गीतों ने बैंड के प्रर्दशन को दूसरे स्तर पर पहुचा दिया। छात्र समूह खुशी से गा रहा था और पैर थिरकाने वाले धुनों पर नाच रहा था। प्रबन्धन ने उत्कृष्ट उद्धाघाटन समारोह और इसके कार्यक्रमों के लिए आयोजकों डा. अल्का यदु, डा. कुणाल शाह, डा. सुलेमान अब्बास खान, डा. श्वेता सिंह, डा. आशीष चौहान को धन्यवाद दिया।

माध्यमिक शिक्षक संघ के बैनर तले प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर ब्लश्वक संसाधन केंद्र मडियाहु पर जिला महामंत्री के नेतृत्व में अश्वनलाइन अटेंडेंस एवं शिक्षक हितों की मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन किया गया

जौनपुर ब्यूरो

आज दिनांक 1 दिसंबर 2023 दिन शुक्रवार को उत्तर प्रदेशीय पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के बैनर तले प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर ब्लॉक संसाधन केंद्र मडियाहु पर जिला महामंत्री श्री शिव कुमार सरोज के नेतृत्व में ऑनलाइन अटेंडेंस एवं शिक्षक हितों की मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन किया गया ,इस क्रम में मरियाहू ब्लॉक संसाधन केंद्र पर खंड शिक्षा अधिकारी मरियाहू को पत्रक सौपा गया, जिससे माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार शासन को भेजा जा सके।

इस अवसर पर जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष आनंद यादव ने बताया कि अब लड़ाई आर पार की होगी क्योंकि कई वर्षों से शिक्षक हितों की कई मांगे लंबित है नित्य प्रतिदिन आदेश पर आदेश हो रहा है, जिसका अनुपालन किया जाना अब किसी तरह संभव नहीं है, वर्षों से शिक्षकों का समायोजन स्थानांतरण प्रधानाध्यापक पद पर पदोन्नति ग्रेड पे 4600 से 4800 न्यूनतम वेतनमान 17140 18150 नहीं दिया जा रहा है पुरानी पेंशन की बहाली नहीं की जा रही है कैशलेस चिकित्सा की कोई व्यवस्था नहीं है शिक्षामित्र एवं अनुदेशकों को सम्मानजनक मानदेय नहीं दिया जा आदेशों का अनुपालन संभव नहीं है इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष राय साहब यादव , मंत्री फूल चंद्र तिवारी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष यादवेन्द्र यादव,ज्ञान प्रकाश मौर्य, लालजी यादव, अरविन्द ,गौरीशंकर, संजय कन्नौजिया, वेद प्रकाश,अच्छे लाल तथा राम किशन एवम भारी संख्या में अध्यापक , शिक्षामित्र तथा अनुदेशक उपस्थित रहे।

जन शिक्षण संस्थान द्वारा विश्व एडस दिवस पर जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन

जौनपुर जन शिक्षण सस्थान द्वारा प्रयोजित कौशल विकास उद्ययमिता मंत्रालय विभाग भारत सरकार द्वारा विश्व एडस दिवस पर मुख्यालय पर जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा0 राजेश उपाध्याय रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान की निदेशक डा0 सुधा सिंह ने किया।

मुख्य अतिथि ने अपने सम्बोधन मे कहा कि एडस एचआईबी बिमारी हमारे देश मे विदेशो से मिली थी एडस कई कारणो से फैलता है। असुरक्षित यौन सम्बन्ध से निडिल से आदि कारणो से फैलता है। सरकार द्वारा प्रचार प्रसार करके इस विमारी को कम किया है। अब एडस पाजटिव मरीज की सख्या मे कमी आई है। अध्यक्षता कर रही संस्थान की निदेशक डा0 सुधा सिंह नें सस्थान की गतिविधियो पर विस्तार से बताते हुए कहा कि एडस विमारी जान लेवा विमारी है इस बिमारी का आज तक कोई दवा नही मिल पायी है। इस बिमारी की जानकारी ही इसका बचाव है। कार्यक्रम अधिकारी रजनीश प्रताप सिंह ने उक्त विमारी के बचाव के बारे मे जानकारी दिया। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी अवधेश श्रीवास्तव ने किया कार्यक्रम मे सहायक कार्यक्रम अधिकारी विनोद मिश्रा लेखाकार जितेन्द्र विस्वकर्मा कार्यालय सहायक विनय कुमार गुप्ता सिलाई प्रशिक्षिका वंशिता व व्यूटीशियन प्रशिक्षिका प्रतिमा साधना श्रीवास्तव व सिलाई व्यूटीशियन की प्रतिभागियो ने प्रतिभाग किया

एसओ जीआरपी ने रेलवे स्टेशन पर आग से बचाव का करवाया मॉकड्रिल

'सुलतानपुर। पुलिस महानिदेशक रेलवे व पुलिस महानिदेशक कानून व्यवस्था उत्तर प्रदेश व पुलिस अधीक्षक रेलवे के आदेश की अनुपालन के अनुसार रेलवे स्टेशनो पर जीआरपी एवं आरपीएफ के जवानों के साथ–साथ यात्रियों को आग से सुरक्षा के संबंध में फायर डील करा कर जागरुक किए जाने हेतु निर्देशित किया गया था, उक्त आदेश के क्रम में दिनांक 30 नवंम्बर को रेलवे स्टेशन सुल्तानपुर पर जीआरपी थानाध्यक्ष अरविंद पांडेय की मौजूदगी में

अग्निशन द्वितीय अधिकारी गिरिवर प्रसाद,फायर मैन संदीप वर्मा व फायर मैन प्रभाव शाह अग्नि समन टीम द्वारा फायर ड्रीलध्प्रशिक्षण का कार्यक्रम कराया गया।फायर के बारे में लोगों को बताया एवं एलपीजी सिलेंडर में आग लगाकर बुझाने का प्रेक्टिकल करके दिखाया गया। जिसमें थानाध्यक्ष जीआरपी अरविन्द कुमार पाण्डेय व उ.नि. राजकुमार व उ.नि. सिद्धार्थ सिंह व समस्त जीआरपी स्टाफ तथा आरपीएफ कर्मी मौजूद रहे, इस कार्यक्रम से रेलवे स्टेशन पर यात्रा कर रहे यात्री व रेलवे कर्मचारियों द्वारा जानकारी प्राप्त होने पर जीआरपी द्वारा कराए गए इस कार्यक्रम की प्रशंसा की गई।

केनरा बैंक अंचल कार्यालय में अग्नि निकासी ड्रिल

केनरा बैंक के महाप्रबंधक अलोक अग्रवाल ने आग को बुझाते हुए निभाई उत्प्रेरक की भूमिका

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अग्निशमन विभाग लखनऊ के मार्गदर्शन में दिनांक 01–12–2023 को प्रातः1100 बजे अंचल कार्यालय परिसर में अग्नि निकासी ड्रिल का आयोजन किया गया। फायर ड्रिल के बाद अग्नि घटना प्रबंधन पर विस्तृत व्याख्यान और अग्निशामक यंत्रों के उपयोग पर प्रदर्शन किया गया।

अग्नि सुरक्षा अधिकारी शिवदरस प्रसाद, गोमती नगर और केनरा बैंक के लखनऊ मंडल प्रमुख श्री आलोक कुमार अग्रवाल ने भवन में मॉक ड्रिल का मूल्यांकन किया। मंडल सुरक्षा अधिकारी मेजर मीनाक्षी चौधरी (सेवानिवृत्त) ने अतिथि पर्यवेक्षकों और उपस्थित प्रतिभागियों का स्वागत किया। सर्कल प्रमुख श्री आलोक कुमार ने नियमित फायर मॉक ड्रिल और प्रक्रियाओं के महत्व पर जोर दिया। इसके बाद, एफएसओ ने आग की कुछ घटनाओं का वर्णन किया जिन्हें विभाग ने हाल के दिनों में नियंत्रित और प्रबंधित किया था। उन्होंने आग लगने की घटनाओं के विभिन्न कारणों, आग से संबंधित सावधानियों, आग के प्रकार और आग बुझाने वाले यंत्रों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सभी प्रकार के अग्निशामक यंत्रों का प्रदर्शन कर घरेलू गैस सिलेंडरों में लगने वाली आग पर कैसे काबू पाया जाए, इसके बारे में विस्तार से बताया। उपस्थित केनरा बैंक के समस्त स्टाफ ने उत्साहपूर्वक आग बुझाने वाले यंत्रों के प्रयोग का अभ्यास किया। उप महाप्रबंधक संजय कुमार ने विस्तृत एवं सजीव व्याख्यान सह प्रदर्शन के लिए अग्निशमन विभाग की टीम को धन्यवाद दिया।

हृदय रोग के निदान में सहायक है शोधपत्र

ज्ञानेन्द्र पाल
ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर एंड साइंस इंजीनियरिंग विभाग के शोधार्थी ज्ञानेन्द्र कुमार पाल ने डॉ. संजीव गंगवार के निर्देशन में किए गए शोधपत्र को वाइवा के बाद जमा किया। इनका शोध हृदयरोग डेटासेट पर आधारित है। इस अध्ययन में आयात सुविधाओं और एक–दूसरे पर उनकी निर्भरता को शामिल किया गया और विभिन्न मशीन लर्निंग तकनीकों द्वारा उसके उदाहरण का विश्लेषण किया गया। इस शोध के परिणाम और लागू की गई तकनीकों द्वारा हृदय रोग निदान में विशेषज्ञों को अधिक छिपी हुई जानकारी को एकत्र करने में सहायता कर सकता है।

इंटरनेट और मोबाइल उपभोक्ता है साइबर अपराधियों के निशाने पर - डॉ. दिग्विजय

विश्वविद्यालय में साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

क्राइम रिपोर्टर धनन्जय विश्वकर्मा

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के साइबर क्लब द्वारा प्रो. राजेन्द्र सिंह रज्जू भैया भौतिकी संस्थान आर्यभट्ट सभागार में साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता का कार्यक्रम गुरुवार को आयोजित किया गया। साइबर क्लब के नोडल अधिकारी डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि भारत में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहा है साइबर अपराधी नित नए तरीके अपना रहे है. इंटरनेट और मोबाइल का प्रयोग करने वाले सभी उपभोक्ता साइबर अपराधियों के निशाने पर रहते है. ऐसे में जागरूकता ही हमें बचा सकती है.

उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य की सरकार साइबर अपराध से लोगों को सुरक्षित रखने विभिन्न स्तरों पर काम कर रही है. उत्तर प्रदेश सरकार ने महिला हेल्प लाइन के माध्यम से भी साइबर सुरक्षा प्रदान करने का काम किया है. इसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आ रहे है. उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया का प्रयोग सावधानी से करें. अपरिचितों से दोस्ती खतरे में डाल सकती है. उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया से हमारी जानकारी साइबर अपराधी जुटाते है और पूरी रणनीति के साथ अपने जाल में फसा लेते है. उन्होंने कहा कि बच्चों के मोबाइल फोन के प्रयोग की निगरानी करें. गेम के नाम भी बड़ी धोखाधड़ी की जा रही है. बैंकिंग और पेमेंट के एप्प पर अलग से पासवर्ड रखें. इसके साथ ही गूगल प्ले स्टोर पर कई ऐसे एप्लीकेशन है जिससे बच्चों के मोबाइल पर निगरानी रखी जा सकती है. उन्होंने हैकिंग, फिशिंग, फर्जी विज्ञापन, ऑनलाइन खरीदारी फ्राड, फोन कॉल करके फ्राड आदि के बारे में विस्तार से चर्चा की. उन्होंने कहा कि साइबर अपराधी मानसिक और आर्थिक शोषण के साथ– साथ ब्लैकमेल कर शारीरिक शोषण भी कर रहे है. इनसे डरने की नहीं बल्कि लड़ने की जरुरत है.

इस अवसर पर प्रो. बी बी तिवारी, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो वंदना राय, प्रो. ए. के. श्रीवास्तव, प्रो. संदीप सिंह, प्रो. बी. डी. शर्मा, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. मुराद अली, डॉ मनोज मिश्र, डॉ रसिकेश, डॉ सुनील कुमार, डॉ जान्हवी श्रीवास्तव, डॉ अन्नू त्यागी समेत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित रहे.

एल. पी. एस.के कलरव में सांस्कृतिक मूल्यों की धारा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ पब्लिक स्कूल, सेक्टर–9, वृन्दावन योजना शाखा ने सांस्कृतिक मूल्यों व भक्ति रस से ओतप्रोत, अपना वार्षिकोत्सव द कलरव, गोमती नगर शाखा के प्रेक्षागृह में मनाया । मुख्य अतिथि के रूप में रामपुर खास की विधायिका आराधना मिश्रा 'मोना' , विशिष्ट अतिथि, समाज सेवी डॉ जिया राम वर्मा, उ० प्र० समाज कल्याण विभाग के पूर्व संयुक्त निदेशक जितेन्द्र सिंह, संस्थापक महाप्रबंधक डॉ. एस. पी. सिंह, पूर्व एम. एल. सी.कान्ति सिंह, प्रबंध निदेशक सुशील कुमार, निदेशक मण्डल द नेहा सिंह, गरिमा सिंह, प्रधानाचार्या डॉ. रुपाली पटेल, अनीता चौधरी, विजय सचदेवा,सरिता चौधरी, अभिभावक, बच्चें व वरिष्ठ मीडिया कर्मी की गरिमामयी उपस्थिति रही । इस अवसर पर दो छात्रों– नील नंदन और किशन तिवारी को कलाम आफ द ईअर अवार्ड दिया गया।

बेटी से सालों बाद मिले पिता,तो छलके खुशी के आंसू

संवाददाता

लखनऊ। पति अपनी पत्नी को मानसिक स्थिति में भले ही उसे छोड़ सकता है लेकिन एक पिता के लिए बेटी हमेशा जिम्मेदारी ही रहती है। कुछ ऐसा ही मामला लखनऊ में देखने को मिला। दरअसल झारखंड के गोड्डा जिले की साधना देवी अपना मानसिक संतुलन खोने के बाद घर से भटक कर लखनऊ आ गई। यहां सड़को पर कई वर्षो से इधर उधर लावारिस स्थिति में भटकती रहीं। इसी दौरान उनके पैर के तलवे में गंभीर घाव हो गया था।

विधानसभा सत्र के बाद मंत्रिमंडल विस्तार संभव

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के बाद प्रदेश मंत्रिमंडल विस्तार की रूपरेखा तय होगी। मंत्री कौन बनेगा इन नामों पर कमोवेश सहमति बन चुकी है। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर की मुलाकात गृहमंत्री अमित शाह से होनी है। इस मुलाकात में विस्तार की तिथि पर भी मुहर लग जाने की उम्मीद है।

कर्मचारियों पर लगा 13 लाख के गबन करने का आरोप,केस दर्ज

संवाददाता/लखनऊ। लखनऊ के सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में स्थित एक ऑनलाइन कंपनी में कार्यरत डिलीवरी बॉयज पर 13 लाख रूपये का सामान चुराने का आरोप लगा हैं। पुलिस ने कंपनी के नोडल ऑफिसर की तहरीर पर कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी हैं। मैसर्स इन्स्टाकार्ट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के अधिकृत प्रतिनिध (नोडल ऑफिसर) ने पुलिस से लिखित शिकायत करते हुए।

अनुपूरक बजट: बीजेपी का मिशन 80

संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2023–24 के पहले अनुपूरक बजट में विकास के साथ सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को धार के लिए खजाना खोला है। प्रदेश की सभी 80 संसदीय सीटों पर भगवा लहराने की तैयारी से जोड़कर देखा जा रहा है।एमपी, राजस्थान और छत्तीसगढ़ से लेकर तेलंगाना के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने राममंदिर और राष्ट्रवाद के एजेंडे का इस्तेमाल किया।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।